हल्द्वानी : बदल जायेगी तस्वीर

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 18 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 7 अक्टूबर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

कालूसिद्ध मन्दिर शिफ्ट होते ही चौराहों का आकार बढ़ेगा

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड के बड़े शहरों की गिनती में शामिल हल्द्वानी की वर्तमान सूरत बदलने लगी है। इसके लिये सबसे पहले बरेली रोड, नैनीताल रोड मुख्य मार्ग पर नज़र दौड़ाएं तो दिखाई दे रहा है कि कई स्थानों पर पुराने पेड़ों की छंटनी हो चुकी है, सरकारी भवन, दीवारें जो सड़क की माप से दूर होनी थी उन्हें ध्वस्त कर नया बनाया जा रहा है। मंगल पड़ाव से लेकर रोडवेज स्टेशन तक जिन पुरानी दुकानों को हटाया जाना है उनको लेकर भी व्यापारियों से प्रशासन से बात

हो चुकी है। शहर के बीचोंबीच स्थित कालूसिद्ध बाबा के मन्दिर को शिफ्ट होने से जिस प्रकार की सुगमता होगी, उससे चौराहों का आकार भी बढ़ेगा। इसके लिये प्रशासन ने पूरी रणनीति पहले से बना रखी है। यह बात भी सच है कि आस्था के लिये पीपल के पेड़ के नीचे कालूबाबा का मन्दिर बना था। बाद में इसमें अखाड़ेबाजी होने लगी और निर्माण होते-होते इसे इतना फैला दिया गया कि सबसे व्यस्त कालाढूंगी चौराहा के आस-पास जाम ही जाम होने लगा है। इस मन्दिर में कभी गुड़ की भेली फोड़ने का रिवाज था जो आज तक है। (हल्द्वानी के बारे में विस्तार से जानने के लिये स्व.आनन्द बल्ल्भ की पुस्तक हल्द्वानी स्मृतियों के झरोखे से पढ़ें।)

बताते चलें कि हल्द्वानी शहर में

शेष पृष्ठ 3 पर

शहर के बीचोंबीच कालाढूंगी चौराहे के पास स्थित कालूसिद्ध मन्दिर

प्राण वायु अभियान से जोड़ रहे हैं प्रो.एच.डी.तिवारी

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। वृक्षारोपण, पर्यावरण, स्वच्छता को लेकर तमाम तरह के समाचार देखे व सुने जाते हैं लेकिन इनकी वास्तविकता क्या है? असल में समाचार बनने के लिये अधिकांश आयोजन व गोष्ठियां होने लगी हैं। ऐसे में उन अभियानों का प्रकाश देर में दिखाई देता है जो चुपचुपा लेकिन ठोस तरीके से चल रहे हैं। ऐसा ही एक अभियान 'प्राण वायु' के रूप में इन दिनों प्रकाश में आया है। अब जबकि इस बारे में लोगों को पता चला है तो निश्चित रूप से यह बड़ा अभियान बनने जा रहा है। असल में सेवानिवृत्त प्रोफेसर और जन सरोकारों से जुड़े डॉ. एच.डी.तिवारी ने इस अभियान की शुरूआत करते हुए प्रत्येक सरकारी व गैरसरकारी दफ्तर से लेकर मन्दिर, विद्यालयों, धर्मशाला, घरों याने सभी स्थानों में करने के लिये स्वयं से शुरुआत की है। वह कहते हैं- 'प्राण के लिये वायु जरूरी है और वायु के लिये पेड़-पौंधे।

इसलिये प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी और यहाँ तक की सभी कार्यालयों में गमले पर पौध होनी चाहिये।' इसके लिये बकायदा 'प्राण वायु' लिखे गमलों को कई जगह स्थापित किया जा चुका है और यह अभियान तेजी से फैल रहा है। बताते चलें कि इन्दिरा प्रियदर्शनी राजकीय महाविद्यालय महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी के वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष के रूप में कुशल नेतृत्व कर चुके प्रोफेसर तिवारी को शिक्षा, शोध, समाजसेवा के लिये कई पुरस्कारों से नवाजे जा चुके हैं। शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए हिमगिरी संस्था द्वारा टीचर ऑफ द ईयर 2021 पुरस्कार दिया गया। पिघलता हिमालय द्वारा भी प्रो.तिवारी को सामाजिक सरोकारों के लिये सम्मानित किया जा चुका है। एनएसएस के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी के रूप में इनका समर्पण सभी ने देखा है। उन्होंने 'प्राण वायु' अभियान की सार्थकता के लिये सभी से जुड़ने का आह्वान किया है।

अब यादों में-

महान सर्वेक्षक पं.नैनसिंह रावत की प्रपोत्र बहू द्रोपदी देवी

मुम्बई से प्रयाग रावत

19वीं सदी के महान अन्वेषक और सर्वेक्षक पण्डित नैन सिंह रावत की प्रपोत्र बहू श्रीमती द्रोपदी देवी का 22 सितम्बर 2024 को पिथौरागढ़ मे स्वर्गवास हो गया है। वे पण्डित नैन सिंह के प्रपोत्र मोहन सिंह रावत (बाला सिंह, त्रिलोक सिंह, मोहन सिंह) की धर्म पत्नी थी। श्रीमती द्रौपती देवी ने पण्डित नैन सिंह की विरासत को सजो कर रखने मे अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन भी पण्डित नैन सिंह की तरह ही संघर्षपूर्ण रहा। युवा अवस्था मे ही उनके पति मोहन सिंह का देहान्त हो गया। अकले ही अपने बल पर अपने पुत्र कुन्दन सिंह रावत को पढ़ा लिखा कर उच्च शिक्षा दिलाई। लेकिन बेटे बहू का कुछ सुख मिल पाता उससे पहले श्री कुन्दन सिंह रावत की पत्नी का देहान्त हो गया, फिर कुछ सालों बाद श्री कुन्दन सिंह रावत का भी युवा अवस्था मे ही देहान्त हो गया। कुन्दन सिंह जी के तीनों नाबालिग बेटे बिरेन्द्र, मनोज और कवीन्द्र के लालन पोषण की पूरी ज़िम्मेदारी

श्रीमती द्रौपती देवी पर आन पड़ी। लेकिन उन्होने बड़ी मेहनत और लगन से तीनों पोतो को पाल-पोष कर बड़ा किया और अपने सबसे बड़े पोते बिरेन्द्र का विवाह भी कराया किन्तु होनी को कुछ और ही मंजूर था। बेटे-बहू का सुख नहीं मिल पाया, नाती-पोतो का सुख मिल पाता ये भी उनके किस्मत मे नहीं लिखा था। युवा अवस्था मे ही पहले पोता मनोज का देहांत हो गया, फिर कुछ वर्षों बाद बिरेन्द्र की भी मृत्यु हो गयी। इसके कुछ सालों बाद अन्तिम पोता कवीन्द्र का भी देहान्त हो गया ।

आपने कैसा संघर्षपूर्ण जीवन जिया होगा, हम उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते है। परिवार के तीन पीढ़ियों को अपने ही आँखों के सामने गुजरते देखना कितना कष्टकारी हो सकता है, इसकी कल्पना मात्र करने से ही कलेजा फट जाता है। आपने ये सब कैसे सहा होगा? आपके भाग्य मे सिर्फ संघर्ष ही संघर्ष रहा। न पति का सुख, न बेटे का सुख और न पोतों का सुख। वावजूद इसके आप हमेशा एक सम्बल बन पण्डित नैन सिंह के विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य किया। वे अपने अन्तिम दिनों मे अपने बहू हंसा रावत पत्नी बिरेन्द्र रावत के साथ पिथौरागढ़ मे रह रही थी। अब उनके परिवार मे बिरेन्द्र से एक बेटा और एक बेटी है। दूसरे पौत्र कवीन्द्र से दो बेटे हैं। आपकी स्मृति हमेशा हमारे दिल में बसी रहेगी। प्रभु आपको अपने श्रीचरणों में स्थान दे। मैं उनके परिवार के साथ अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ उन्हें इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

ये कैसा एक्शन और प्रचार

विगत दिनों से समाचार खूब प्रचारित किया गया कि लम्बे समय से अनुपस्थित चल रहे चार असिस्टेंट प्रोफेसर बर्खास्त कर दिये गये हैं। शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में लापवाही और अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं जाएगा। भविष्य में इस तरह के अन्य शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा शिक्षा महानिदेशक ने गम्भीर रूप से बीमार शिक्षकों के अनिवार्य सेवानिवृत्त होने की बात करते हुए रिपोर्ट मांगी।

शासन-प्रशासन का ये एक्शन सटीक लग रहा है। ऐसा ही होना चाहिये लेकिन क्या यह नियम पहले से नहीं थे? ये सबकुछ पहले से भी है लेकिन सुधार के लिये कौन हाथ डाले, यह सवाल है। चार असिस्टेंट प्रोफेसर वर्षों से अनुपस्थित चल रहे हैं, यह नई बात नहीं है। ऐसा होता रहा है, इस तरह के मामलों में उन्हें कुछ चेतावनियों के बाद हटा दिया जाता है। जो अनुपस्थित हैं, वह जानबूझ ही अनुपस्थित होते हैं या वर्तमान स्थिति में अपने को दूसरी जगह बेहतर पाते हैं। ऐसे में लम्बे अन्तराल के बाद यह प्रचार करना की लम्बे समय से अनुपस्थित चल रहे कार्मिकों को हटाया, खास बात तो नही है। खास बात तो तब मानी जाए जब जारी व्यवस्था में नौकरी पा चुके अपना मुख्य कार्य करना छोड़ चाटुकारिता कर रहे हैं या जिन पर घपले के आरोप हैं या जो हमेशा सुगम में रहते हुए डकार मारते रहते हैं। ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई होनी चाहिये।

एक्शन ऐसों पर होना चाहिये जो सरकारी धनराशि का दुरुपयोग करने में लिप्त हैं, जो सरकारी वाहनों का, आवासों, सामग्री का दुरुपयोग कर रहे हों, जो अपने नियत कार्य पर लापरवाही करते हों, जिन पर घोटालों का आरोप हो। इस तरह के मामले उच्चशिक्षा में भी हैं। जाँच होनी चाहिये यदि कोई अपने को अस्वस्थ्य बताते हुए लाभ ले रहा हो। जाँच होनी चाहिये कि रूसा जैसे मदों में कितनी राशि किस प्रकार से व्यय की गई। जाँच होनी चाहिये कि निर्माण कार्य व फर्नीचर आदि में किस प्रकार से खरीद हुई। यह भी जाँच हो की राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे पवित्र कार्य के नाम पर धनराशि किस तरह से ठिकाने लगाई जा रही है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

नेपाल पर्यटन बढ़ावे को योग का आयोजन

काठमाण्डू। आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने प्रयास में, होटल एसोसिएशन ऑफ नेपाल पश्चिमी नेपाल के पोखरा में 16 से 19 अक्टूबर के बीच एक योग समागम का आयोजन करने जा रहा है। इसमें दुनियाभर के जाने-माने योग उत्साही प्राचीन ज्ञान के सैद्धान्तिक व व्यवहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण लेंगे।

माली के राष्ट्रपति का आतंकवाद अंकुश संकल्प

बमाको। पश्चिमी अफ्रीका देश माली के राष्ट्रपति असिमी गाइता ने देश में शान्ति, सुरक्षा एवं विकास को आगे बढ़ाने के अपने दृढ़ संकल्प की पुष्टि की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का संकल्प लिया। गोइता ने देश की आजादी के 64वीं वर्षगांठ पर सैन्य परेड के बाद यह टिप्पणी की।

अगर हारा तो अन्तिम मुकाबला होगा : ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर वह 2024 में व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का अउधिकारिक कार्यालय और आवास) में वापसी करने में नाकाम रहते हैं तो उन्हें नहीं लगता 2028 में राष्ट्रपति पद के लिए दोबार चुनाव लड़ेंगे।

उत्तर कोरिया के पास बम बनाने को यूरेनियम

सियोल। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने सांसदों को बताया कि ऐसी आशंका है कि उत्तर कोरिया ने कई बम बनाने के लिये पर्याप्त यूरेनियम संवर्धन कर लिया है और वह दक्षिण कोरिया को निशाना बनाने के लिये अधिक शक्तिशाली व स्टीक निशाने लगाने वाली मिशाइल भी बना रहा है।

फ्रांस ने किया भारत का समर्थन

न्यूयॉर्क। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र निकाय के विस्तार की वकालत भी की है। कहा हमारे पास एक सुरक्षा परिषद है जिसे और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है।

मेरा भारत को बाहर करने का एजेंडा नहीं रहा

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत को बाहर करने (इंडिया आउट) के किसी भी एजेंडे से इनकार करते हुए कहा कि उनके राष्ट्र में विदेशी सेना की उपस्थिति द्वीपीय देश के लिए एक गम्भीर समस्या थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुँचे मुइज्जू ने प्रिंसटन विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

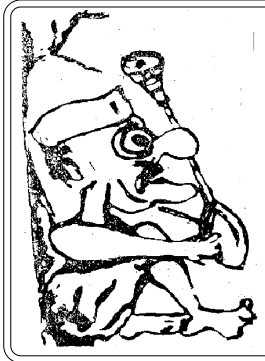

फसक

दाज्यू, रामलीला से ज्यादा हकाहाक होने वाली ठैरी

रील बनाने, पटाखे फोड़ने, छप्पनभोग होने लगा है बल

दाज्यू, आजकल गाँव में जबर्दस्त रामलीला चल रही है। अपने दुर्गीका रावण और अज्जू अंगद बना हुआ है। मोनू सीता का बहुत सुन्दर पाठ खेल रहा है। तालीम मास्टर सुर्ती लाल, क्या कहने। बहुत निखरा हुआ हारमोनिया पेटी बजाता है। वाह...वाह। दाज्यू, रामलीला का मजा गाँव में ही ठैरा। पिलेन में तो फतोड़ाफतोड़ होती है बल।

टनकपुर में रामलीला से पहले दुकानों को लेकर फोड़ान होने लगा था। प्रशासन और पुलिस के बचाव में मामला शान्त हुआ। दाज्यू, पहाड़ की रामलीला की बात ही और ठैरी लेकिन अब कहाँ वह बात। आजकल रामलीला से ज्यादा हकाहाक होने वाली ठैरी। इस महायज्ञ में बहुत समय और तपस्या है लेकिन आजकल रील बनाने, पटाखे फोड़ने, छप्पनभोग होने लगा है बल। भीड़ जुटाने के लिये कालाजादू जैसे आइटम और रंगीन नाचने वाले आयोजन भी.....। हे राम! हे राम!

-तुम्हारा भुली झकरुवा

रामनगर में पुरानी रामलीला को लेकर खूब बबाल मच गया। कमेटी के लोग दो ग्रुपों में छम्म-छम्म करने लगे। दाज्यू, कमेटी, रजिस्ट्रेशन, सदस्यता, सम्पत्ति, पदाधिकारी और भी पता नहीं क्या होने वाला हुआ। हमें तो बस इतना समझ आता है कि मनभावना रामलीला हो और समाज को लाभ मिले, बच्चे कुछ सीखें। जग्गू बता रहा है- 'हाईकोर्ट ने रामनगर के एमपी इण्डर कालेज के खेल मैदान में दशहरा त्यौहार माने की अनुमति दे दी है। रामनगर की रामलीला कमेटी की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई थी।'

हल्द्वानी में तो रामलीला और मैदान को लेकर कई बार छम्म-छम्म हुई है। रिसीवर बैठाने से लेकर कमेटी की कांट छांट चलती रही। अब हाल यह है कि रामलीला से ज्यादा रील बनाने वाले हो चुके हैं। राम बारात की धुंआधार ऐसी होने लगी है सजधज कर हर तरह के कारोबारी बाराती-घराती बन जाने वाले ठैरे। लीला में उद्घाटन के लिये आने वाले नेताओं की लीला भी देखने लायक होती है। दाज्यू, ये सब मौके की बात हुई, जिसको मिले भौंपू बजाओ। रतुवा नाग गाँव में रामलीला के लिये मैदान नहीं है, लोग कस्बे में रामलीला देखने जाते हैं। बबलू बता रहा था- 'झम्मन भी तीन दिन से गायब था। गाँव वालों ने सोचा रामलीला देखने गया होगा। बाद में पता चला, कस्बे में जुआरियों के साथ लाख से ऊपर हार के घर लौटा है।' दाज्यू, रामलीला की आड़ में बहुत काम निपट जाने वाले ठैरे।

खटीमा में घर से नाराज होकर निकली महिला के साथ दुष्कर्म हो गया बल। वह कह रही है- 'पति से झगड़ कर अपनी मुंहबोली चाची के घर गई थी। चाची ने अपने भतीजे के साथ कमरे में कर डाल कुंडा लगाया जहाँ उसके साथ गलत हुआ।' दाज्यू, चटपट के जमाने में अटपट होने ही वाला ठैरा। हरिद्वार के लक्सर ब्लाक के ग्राम विकास अधिकारी रामपाल को आय से अधिक सम्पत्ति मामले में गिरफ्तार कर लिया है बल। दाज्यू, कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल ने बताया है- 'निकाय स्तर पर होंगे विवाह और तलाक के पंजीकरण।' समान नागरिक संहिता लागू करने के दृष्टिगत इसमें शामिल प्रावधानों पर वह बता रहे थे। दाज्यू, पंचायत तो क्या अब सड़क चलते फैसले होने लगे हैं। हकाहाक और बौयाट के जमाने में समय किसके पास है? तभी तो विवाह से ज्यादा तलाक होने लगे हैं। किसको किसकी तलाश है यह वही बता सकता है। गोलज्यू सबकी रक्षा करें।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा की कथा

भागता रहा, पुलिस टीमें गठित, कुर्की, पकड़ा गया, पार्टी ने निकाला, बोला- मेरे खिलाफ साजिश

हल्द्वानी। दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा की अगली-पिछली सारी उघेड़ी जा रही है लेकिन इस पूरे प्रकरण में लगातार आते रहे मोड़ों ने समाज को बहुत कुछ सिखा दिया है कि किस प्रकार से नेतागर्दी, पदों पर रहना, शौकबाजी, जब पकड़ में आओ तो साया भी साथ छोड़ देता है। पूरे मामले में अब जाँच हो रही है और कितना सच है और कितनी कहानी धीरे धीरे पता चल जायेगी।

पूरा मामला इस प्रकार है कि दुग्ध संघ अध्यक्ष बने मुकेश बोरा धनबल जनबल से मजबूत हो चुका था। उसकी पकड़ इतनी की भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेता उसके करीब हुए। पार्टी ने पद और प्रतिष्ठा सब दी। आर्थिक जलवा इतना कि जिधर चाहो गाड़ी घुमा दो, जिसको जाहे समझा दो। चलती का नाम गाड़ी है और मुकेश बोरा भी चलते रहे। बीच-बीच में आरोप लगे तो रुतवा इतना की क्या हो जाता? लेकिन ताजा मामले में 1 सितम्बर को महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बोरा ने दुग्ध समिति लालकुआ की नियमित तौर पर नौकरी लगाने का झांसा देकर बलात्कार किया। साथ ही उसके ड्राइवर कमल बेलवाल द्वारा जान से मारने की धमकी की बात कही। जब मामला दर्ज हुआ तो राजनीतिक गलियारों में भी हलचल हुई और कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया। देखादेखी भाजपा ने भी आरोपी को पकड़ने के लिये जुलूस निकाला। मुकेश बोरा भागता रहा और बचने के उपाय किये लेकिन कहीं से राहत नहीं मिली। पुलिस के शिकंजे में इसके दिल्ली भागने की बातें होने लगी। इसको सहायता करने वालों को पुलिस ने घेर लिया तो कई अन्य जानकारियां मिली।

मुकेश बोरा की तलाश में पुलिस ने दिल्ली-पंजाब तक डेरा डाल दिया। भगौड़ा घोषित करते हुए घर की कुर्की भी गई। 24 दिन तक भागम-भाग के बाद 25 सितम्बर को चक्कू थाना व जिला रामपुर यूपी के पास पकड़ा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इसकी पकड़ के लिये 5 टीमें गठित की गई थीं। मुखबिर की सूचना और सर्विलांस की मदद से आरोपी को पकड़ा। बोरा को भगाने में मदद करने के लिये धारी के ब्लाक प्रमुख आशा नेगी, परिवहन कर अधिकारी नन्दन आर्या, प्रॉपर्टी डीलर सुरेन्द्र परिहार, भीमताल के निवर्तमान चैयरमैन देवेन्द्र चनौतिया पर केस दर्ज है।

महिला से दुष्कर्म और उसकी बच्ची से छेड़छाड़ के आरोपी मुकेश बोरा ने गिरफ्तारी के बाद पत्रकारों से कहा- उसके खिलाफ कुछ राजनीतिक लोगों ने साजिश की। जो लोग उन्हें वर्षों उन्हें चुनाव में नहीं हरा पाए उन्होंने आज अन्तिम हथकण्डे के रूप में मुझे फंसाया। मेरी 34 साल की मेहनत बर्बाद करने की कोशिश की है। इसका न्याय गोलज्यू देवता करेंगे। उन्हें न्यायालय पर भरोसा है। मुकेश बोरा इस पूरी कथा में साफ साफ दिखाई दे रहा है कि राजनीति सफर में आगे बढ़ चुके लोगों के अलावा धनाड्य इनके साथ हैं। यही कारण था आरोप के बाद इनके समर्थन में भी नारे लगाने वाले दिखाई दिये थे। अन्तिम लड़ाई अकेले ही लड़नी पड़ती है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हमारा लोक

उत्तराखण्ड के पारम्परिक घरों/भवनों से विज्ञान भी हैरान

हरीश चन्द्र अन्डोला

धर्म, भक्ति, अध्यात्म और साधना का देश है भारत, जहाँ प्राचीन काल से पूजा-स्थल के रूप में मन्दिर विशेष महत्व रखते रहे हैं। यहाँ कई मन्दिर ऐसे हैं, जहाँ विस्मयकारी चमत्कार भी होते बताए जाते हैं। आस्थावानों के लिए वे चमत्कार दैवी कृपा हैं, तो अन्य के लिए कौतूहल और आश्चर्य का विषय। आइए कुछ विशिष्ट मन्दिरों के बारे में जानकारी लेते हैं, जिनके रहस्य असीम वैज्ञानिक प्रगति के बाद कोग्र नहीं जान पाया है।

उत्तराखण्ड के इतिहास और स्थापत्य के शानदार नमूने यहाँ के पंचपुरा भवन आज भी विज्ञान के लिए पहेली बने हुए हैं। पंचपुरा भवन उत्तरकाशी के कई क्षेत्रों में देखने को मिलते हैं। आजकल की बिल्डिंगें कुछ ही साल तक टिक पाती हैं, पर पहाड़ में बने पंचपुरा भवन ना जाने कितनी सदियों से ऐसे ही अडिग, अचल खड़े हैं। उत्तरकाशी क्षेत्र कई बड़े भूकम्पों का गवाह रहा है लेकिन हैरानी की बात है कि ये भूकम्प भी पंचपुरा भवनों की नींव को हिला नहीं पाए। विज्ञान भी इन भवनों का रहस्य खोजने में जुटा हुआ है ताकि भूकम्प के समय होने वाले जान-माल के नुकसान से बचा जा सके। उत्तरकाशी के मोरी, बड़कोट, पुरोला और उपला टकनौर क्षेत्र में कोटि बनाल शैली के भवन देखने को मिलते हैं। पुराने समय में पंचपुरा भवनों को पहाड़ की आलथक समृद्धि का प्रतीक माना जाता था। ये भवन स्थापत्य और विज्ञान का शानदार नमूना हैं, भूकम्प के झटकों को भी ये आसानी से सह लेते हैं। अफसोस की बात ये है कि आज इस शैली के भवन बनना बहुत कम हो गए हैं। पारम्परिक घरों की जगह सीमेंट-कंक्रीट से बने मकानों ने ले ली है, पर आज भी जौनसार बावर क्षेत्र में कोटि बनाल शैली से बने घर देखने को मिल जाते हैं। ये भूकम्परोधी होने के साथ ही इको फ्रेंडली भी होते हैं। जानकर हैरानी होगी कि तिलोथ के वीर भड़ नरू-बिजोला, रैथल के राणा गजे सिंह और झाला गाँव के वीर सिंह रौतेला के पंचपुरा भवन दशकों बीत जाने के बाद भी गर्व से खड़े हैं। इन्हें देख आप उत्तराखण्ड के गौरवशाली इतिहास को फिर से जी सकते हैं।

सशक्त भवन निर्माण शैली का प्रतीक रहे पंचपुरा भवनों को भूकम्प और प्राकृतिक आपदा भी डिगा नहीं सकी। आपको बता दें कि कोटी बनाल शैली के इन्हीं घरों पर बनी डाक्यूमेंट्री फिल्म 'कोटि बनाल' ने एशिया के सबसे बड़े ग्रीन फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का अवार्ड हासिल किया है। डाक्यूमेंट्री कोटि बनाल का निर्माण पहाड़ के शिक्षक श्रीनिवास ओली ने किया है, ये फिल्म सीएमएस वातावरण इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में छाई रही। फिल्म ने सेलिब्रेटिंग हिमालयाज कैटेगरी में बेस्ट फिल्म का अवार्ड हासिल किया।

उत्तराखण्ड भूकम्प की दृष्टि से बेहद ही सम्वेदनशील है। कई बार भूकम्प के कारण यहाँ तबाही मच चुकी है। धरती की एक हल्की सी थरथराहट से बड़ी बड़ी इमारतें पलक झपकते ही धराशायी हो जाती हैं। वैज्ञानिकों ने उत्तराखण्ड में कभी भी बड़े भूकम्प के आने की चेतावनी तक दे दी है। उनका कहना है कि इस हिमालयी इलाके में कभी भी आठ या उससे ज्यादा रेक्टर का भूकम्प आ सकता है। उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी के लोग 1000 साल पहले ही इस वैज्ञानिकों विनाशकारी भूकम्प से लड़ने का तरीका खोज चुके थे। उत्तरकाशी के लोगों ने घरों को बनाने की एक ऐसी शैली खोज निकाली थी जिसे अपनाकर ये लोग भूकम्प से लड़ते आ रहे हैं और खास तरीके से बनी ये इमारतें कई भूकम्प झेलने के बाद भी ज्यों की त्यों खड़ी हैं।

एक शोधार्थी ने लिखा है- जिस तरह लकड़ियों को अरेंज करके ये मकान बनाए जाते हैं वो इन्हें भूकम्प के लिहाज से सबसे सुरक्षित बना देते हैं। लकड़ी मजबूत होने के साथ साथ काफी हल्की भी होती है जिस वजह से भूकम्प के दौरान पैदा होने वाला कम्पन इन मकानों में उतना प्रभाव नहीं डालता क्योंकि वो पूरे घर में समान रूप से वितरित हो जाता है। लेकिन सीमेंट के मकानों में ऐसा होना सम्भव नहीं है। यही वजह है कि कोटी बनाल शैली में बने ये लकड़ी के मकान साल 1334, 1505 और 1991 जैसे खतरनाक भूकम्प झेलने के बाद भी सही सलामत खड़े हैं।

आम जिन्दगी में ये कहा जाता है कि पुरखों से मिले ज्ञान का आधार वैज्ञानिक होता है और वो रोज मर्रा की जिन्दगी की मुश्किलों को ध्यान में रख ईजाद किया जाता है। कुछ ऐसा ही ज्ञान पहाड़ों की परम्पराओं में दिखाई देता है, जो कि पहाड़ की मुश्किल जिन्दगी में पर्वतनजनों के काम आता रहा है। इस बात को हाल ही में आई आपदा विभाग की एक रिपोर्ट ने भी माना है। आपदा विभाग की उत्तराखण्ड डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट रिपोर्ट में इस बात को माना है कि पहड़ों में पुरखों से मिले ज्ञान की बदौलत हमारे पुरखे बड़ी से बड़ी आपदा को मात दे देते थे। 2 साल की मेहनत के बाद वर्ल्ड बैंक की मदद से बनाई गई इस रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख है। इस दिशा में कुछ सार्थक बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

यादों का सफर

अब लुप्तप्रायः हो गई हैं वह बातें और वस्तुएं

नन्दा बल्लभ पाण्डेय

बदलते परिवेश में ज्यों ज्यों समय बीतता जाता है पुरानी बातें व चीजें धीरे-धीरे लुप्तप्रायः हो जाती हैं। हमारे उत्तराखण्ड के पहाड़ी इलाकों की भी यही स्थिति हो गई है। राज्य अब पिछले 24-25 वर्ष पूर्व बना है, यदि यह पहले बना होता तो शायद लुप्तप्रायः वस्तुएं पुनर्जीवित हो सकती थीं। बहुत पहले पहाड़ों में सड़क यातायात (मोटर यात्रा) नहीं थी तब यहाँ सभी यात्राएं पैदल ही हुआ करती थीं। जिसमें ज्यादातर घोड़े के द्वारा सफर किये जाते थे, सामान भी घोड़े खच्चरों भेड़ों द्वारा ही ढोये जाते थे। ज्यादातर सामान घोड़ों की पीठों पर दाएं बाएं करके रख कर ढोए जाते थे तथा बांकी का अपना सामान कन्धे पर अध्याड़ी पिछाड़ी करके बोझा बनाकर ले जाते थे। फिर भेड़ों द्वारा सामान ढोया जाता था। ज्यादातर यात्राएं पैदल मार्ग से ही सम्भव होती थी तथा घोड़ों के द्वारा सफर होता था। इसलिए स्थानीय भाषा में इन्हें घोड़ी सड़क कहा जाता था। इन पैदल मार्गों में यात्री प्रायः इकले दुकले कम ही चलते थे, ज्यादातर 4-5 आदमियों के द्वारा यात्राएं की जाती थी, वे लोग रास्ता आसानी से काटने हेतु आपस में किस्से कहानियां सुना कर समय बिताते थे।

उन दिनों शादी बारात भी पैदल जाया करती थी। दूल्हा घोड़े पर सवार होकर जाता था, दुल्हन डोली (पालकी) में बैठकर जाती थी लेकिन जब से सड़क यातायात प्रारम्भ हो गए हैं इनका प्रचलन शनै-शनै बन्द होता गया। सड़क यातायात से पूर्व पैदल यात्रियों के लिये जगह-जगह रात्रि विश्राम हेतु धर्मशालाएं बनी होती थीं, इन पैदल मार्गों के किनारे-किनारे छायादार वृक्ष तथा पानी के जलस्रोत भी हुआ करते थे। सुदूर अंचल में रहने वाली जसुली शौक्याणी ने भी जगह-जगह पैदल मार्ग पर धर्मशालाएं बनवायी, जो अब दयनीय स्थिति में हैं। यदि इनका जीर्णोद्धार हो जाए और पैदल मार्गों की दशा में सुधार हो तो पैदल यात्रा के शौकीन यात्रियों के लिये सुविधा और राह आसान होगी।

लेखक को अपने बचपन के दिनों में अपने पैतृक गांवों की पैदल यात्रा अपने माता-पिता व बुजुर्गों के साथ करने का अवसर प्राप्त हुआ है। अपने बुजुर्गों के मुंह से पर्वतीय परिवेश परिवेश के जन जीवन की कहानियाँ सुनने का भी अनुभव रहा है। सरकार पुरानी धरोहरों वस्तुओं का रखरखाव करे तो बात बने।

ज्योतिष की बातें- 198

9 अक्टूबर 2024 को गुरु वृषभ राशि में वक्री हो जाएगा अतः अगले चार माह गुरु के फलों में वृद्धि हो जाएगी अर्थात् जिन जातकों को गुरु शुभ फल प्रदान कर रहा है उनको अधिक शुभ फल प्राप्त होगा और जिन जातकों को गुरु अशुभ फल प्रदान कर रहा है उनको और अधिक अशुभ फल प्राप्त होगा।

10 अक्टूबर 2024 को बुध मित्रराशि तुला में प्रवेश करेगा। अतः अगले 19 दिन बुध बुद्धि, व्यापार, वाणिज्य, लेखन, साहित्य आदि अपने कारक विषयों में कन्या, कर्क, वृषभ, मीन, मकर, व धनु राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

13 अक्टूबर 2024 को शुक्र समग्रह की राशि वृश्चिक में प्रवेश करेगा। वहाँ पर गुरु की शुभदृष्टि भी होगी तो शनि की पापदृष्टि भी पड़ेगी। शुक्र छठवें, सातवें और दशवें स्थान के अतिरिक्त अन्य सभी स्थानों पर शुभ होता है। अतः अगले 25 दिन शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में मेष, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर व मीन राशि के जातकों को अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा।

विजयादशमी- आश्विन शुक्लपक्ष की अपराह्न व्यापिनी श्रवणयुता दशमी तिथि में विजयादशमी अर्थात् दशहरा का पर्व मनाया जाता है। अतः शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को विजयादशमी का पर्व उल्लासपूर्वक मनाया जाएगा। शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 89

अल्पसंख्यक अर्थात् असुरक्षा नहीं

बांग्लादेश की घटना के बाद देश में यह चर्चा होने लगी है कि वहाँ पर हिन्दू अल्पसंख्यक होने के कारण असुरक्षित हैं। गहराई से विचार करें तो यह ज्ञात होता है कि कोई अल्पसंख्यक होने के कारण ही असुरक्षित नहीं हो जाता है। दुनिया के विभिन्न देशों में भारतीय रहते हैं, हिन्दू रहते हैं, वहाँ पर वे अल्पसंख्यक हैं लेकिन असुरक्षित नहीं हैं। कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान, इंग्लैंड आदि देशों में हिन्दू रहते हैं अल्पसंख्यक हैं लेकिन कहीं पर भी असुरक्षित नहीं हैं। अरब देशों, सउदी अरब, कतर आदि मुस्लिम देशों में भी हिन्दू रहते हैं अल्पसंख्यक हैं लेकिन असुरक्षित नहीं। अपने भारत में भी जैन, बौद्ध, ईसाई, मुस्लिम आदि समुदाय अल्पसंख्यक हैं लेकिन असुरक्षित नहीं हैं। अन्य बहुत से लोग जैसे ब्राह्मण, यादव, पटेल, ठाकुर आदि विभिन्न जातियों के लोग भी अल्पसंख्यक हैं लेकिन कोई असुरक्षित नहीं हैं। इन उदाहरणों से समझ लेना चाहिए कि अल्पसंख्यक होने से ही कोई असुरक्षित नहीं हो जाता है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान में यदि कहीं हिन्दू असुरक्षित हैं तो इसका कारण उनकी अल्पसंख्या नहीं बल्कि विदेश नीति और आपसी कटुता ही है। इसका उपाय भी मात्र एक ही है पाकिस्तान आदि देशों को मिलाकर कम से कम सांस्कृतिक रूप से पुनः अखण्ड भारत का निर्माण जैसा कि तथाकथित आजादी के पहले था। उस समय पूरा भारत राजनैतिक रूप से भले ही रियासतों में बंटा था लेकिन सांस्कृतिक रूप से एक ही था।

-सरल

हल्द्वानी की वर्तमान..

प्रथम पृष्ठ का शेष

सौन्दर्यीकरण और सुविधाओं के लिये बड़ी धनराशि से कार्य होने हैं। इसके लिये प्रशासन ने जो कार्रवाई की उसमें सबसे पहले सड़क चौड़ीकरण की शुरुआत है। ऐसे में पहले दुकानों को हटाये जाने के विरोध में काफी हल्ला मचता रहा और बचाव के लिये व्यापारी न्यायालय तक गये। पूरी छानबीन और फैसले के बाद स्थिति यह है कि सड़कों का चौड़ीकरण होना है और सिकुड़ चुके चौराहों का आकार विस्तार पा जाएगा। जिलाधिकारी वन्दना सिंह ने मंगल पड़ाव से रोडवेज बस स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे व्यापारियों के साथ बैठक कर कहा जिला प्रशासन ने लोगों के हितों को ध्यान में रखा है। जो व्यापारी पूर्णतः प्रभावित हो रहे है। उनके लिए तात्कालिक तौर पर अस्थाई शेड की व्यवस्था की जाएगी। शासन ने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का प्रस्ताव भी स्वीकृति हेतु भेजा है, जिसमें उनकी स्थायी व्यवस्था की जाएगी।

विरोध में व्यापारी

सड़क चौड़ीकरण के विरोध में व्यापारियों के एक समूह ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि सड़क से इतने चौड़ीकरण की भी क्या जरूरत है जिससे दुकानें तोड़नी पड़ रही हैं।

आड़ में नेतागिरी

इस बीच व्यापारियों की आड़ में अपनी नेतागिरी चमकाने वाले सक्रिय हो चुके हैं। प्रायोजित समाचारों सहित वह व्यापारियों को इसके लिये हवा दे रहे हैं।

समेटना शुरू किया

जो व्यापारी यह समझ चुके हैं कि अन्ततः उन्हें हटना ही होगा, वह स्वयं से अतिक्रमण हटाने लगे हैं। कई ने समेटते हुए जगह बदलने पर सोचा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिटगल प्रा.विद्यालय को पुरस्कार

गंगोलीहाट। राजकीय प्राथमिक विद्यालय चिटगल को शिक्षा विभाग की ओर से आदर्श पुस्तकालय के लिये सम्मानित किया गया है। देहरादून में विभाग के निदेशक चन्दन गर्ब्याल ने प्राधानाचार्य जीवन सिंह नेगी को सम्मानित किया। यहाँ पुस्तकालय में 2500 पुस्तकें हैं ओर शिक्षक लगातार इस अभियान में बच्चों को जोड़े हुए हैं।

पंजीकृत ठेकेदारों को मिले प्राथमिकता

चम्पावत। विभिन्न विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों ने विभागीय कार्यों के लिये छोटी निविदाएं लगाने, सी-डी श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों को निविदाओं में प्राथमिकता देने की मांग की है। समिति के अध्यक्ष संदीप ढेक के नेतृत्व में कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर ठेकेदारों ने डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा।

नए चीफ जस्टिस न्यायधीश जी नरेन्द्र

नैनीताल। आन्ध्र प्रदेश हाईकोर्ट के न्याय धीश जी नरेन्द्र उत्तराखण्ड हाईकोर्ट के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई.चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कोलजियम ने उनके नाम की सिफारिश की है। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश रितु बाहरी 10 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो रही हैं।

थल-सातसिलिंग हाईवे में दिक्कत बरकरार है

थल। थल-सातसिलिंग हाईवे पर बोल्डर गिरने से 50 मीटर हिस्सा फिर से रामगंगा में समा गया। इससे पहले नागीमल की पहाड़ी दरकने से भारी मलबा बोल्डर गिरे थे और इस हाईवे का 150 मीटर हिस्सा टूट गया था। लगातार भूस्खलन से इस हाइवे में दिक्क्त बरकरार है।

मोहान दवा फैक्ट्री निजीकरण विरोध

रामनगर। मोहन स्थित आईएमपीसीएल कम्पनी का निजीकरण किया गया तो युंका आन्दोलन को बाध्य होगी। यह बात युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमित लोहनी ने पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने का इस दवा फैक्ट्री को 1978 में तत्कालीन उद्योग मंत्री एनडी तिवारी ने पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्र की जनता को रोजगार देने के लिए स्थापित किया था। जिसमें लगभग 500 अस्थायी अधिकारी एवं कर्मचारी कार्य करते हैं। प्रत्यक्ष रूप से बीस हजार जोड़ जुड़े हुए हैं।

गंगोलीहाट सड़क बदहाली से परेशानी

गंगोलीहाट। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की सड़क वर्षों से बदहाल बनी हुई है। इस 500 मीटर सड़क में जगह-जगह गड्डों और कीचड़ से होकर जाने में बीमारों और उनके तीमारदारों को परेशानी हो रही है। 250 मीटर सड़क ढलान पर है, इसे दुरुस्त किया जाना जरूरी है।

स्टील प्लांट से बेलबाबा मंदिर तक बनेगी रिंग रोड, विधायक के निर्देश

हल्द्वानी। विधायक बंशीधर भगत ने सिंग रोड प्रोजेक्ट से प्रभावित हो रहे कमलुवा गांजा और रामपुर रोड क्षेत्र के ग्रामीणों से मुलाकात कर आश्वासन दिया कि उन्हें प्रभावित नहीं होने दिया जायेगा। भगत ने लोनिवि के अधिकारियों को स्टील प्लांट से बेलबाबा मन्दिर तक रिंग रोड के निर्देश दिये।

ग्रामीणों के भारी विरोध को देखते हुए विधायक को यह निर्णय लेना पड़ा। गन्ना सेन्टर के पास रामलीला मैदान में रिंग रोड के विरोध में चल रहे आन्दोलन में नाराज लोगों ने विधायक का पुतला भी फूंका। कहा इतने बड़े आन्दोलन में विधायक वार्ता करने तक नहीं आए। ग्रामीणों का आन्दोलन भड़कता देख श्री भगत ने भाखड़ा पुल पहुँच कर अधि कारियों को काश्तकारों की भूमि बचाते हुए रिंग रोड बनाने के निर्देश दिये। कहा कि इससे रिंग रोड आबादी और काश्तकारों की भूमि से बाहर बनेगी। साथ ही वन भूमि पर अतिक्रमण का खतरा भी नहीं होगा। निर्माण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करें।

हाईकोर्ट बार : एसो.हिन्दी में पत्राचार

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत विचार गोष्ठी में यह भी तय किया किा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन समस्त पत्राचार हिन्दी में ही करेगा।

गोष्ठी में मुख्य वक्ताओं ने कहा कि हिन्दी मातृ भाषा है, इसको अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इसके लिए सभी कार्यों में हिन्दी भाषा को अधिक लोकप्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन उत्तराखण्ड अब से सारे पत्राचार हिन्दी में ही करेगा। इस प्रस्ताव का सभी ने स्वागत किया। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष रजत मित्तल ने की।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष मधु नेगी सामन्त, विश्व प्रकाश बहुगुणा, भुवनेश जोशी, कुन्दन सिंह, हिमांशु राठौर, ममता आर्या, आयुष गौड़, ध्रुव चन्द, प्रेम प्रकाश भट्ट, जी.एस.सन्धु, सैय्यद नदीम खुर्शीद, त्रिभुवन सिंह फर्त्याल जयवर्धन काण्डपाल, संजय भट्ट, योगेश पचोलिया, ए.डी. त्रिपाठी, विपुल पैन्युली, त्रिलोक चन्द, सीमा साह, मीना बिष्ट मौजूद थे।

कठिन हो रहा है स्वाला पर हाईवे

चम्पावत/टनकपुर। टनकपुर-पिथौरागढ़ एनएच स्वाला के पास बहुत कठिन हो चुका है। लगातार गिर रहे मलबे बोल्डर से तकनीकी व जाँचकर्ताओं के साथ सभी परेशान हो चुके हैं। शासन का दबाव रहता है हाईवे हर वक्त चकाचक और दुरुस्त रहे, प्रशासन इसके लिये बराबर मुस्तैद है लेकिन प्रकृति के वार को संभालना आसान नहीं। स्वाला के पास कई बार यातायात प्रभावित हो चुका है। डीएम नवनीत पाण्डेय स्वयं देखरेख करते हुए इसको यातायात के लिये ठीक करवाने में जुटे हैं। सीएम का विधानसभा क्षेत्र होने से सबका ध्यान इस ओर है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी वीडिया कांफ्रेंसिंग कर आवश्यक निर्देश दिये। कहा किसी भी परिस्थिति में यातायात सुचारु करें। कार्यदायी संस्था के अधि कारी लगातार दलबल के साथ जुटे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी ने ऑलवेदर सड़क को लेकर सरकार को घेरा और कहा कि देश की सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण यह सड़क तीन जिलों की लाइफलाइन है। इसका बन्द होना सरकारी की नाकामी है।

परिक्रमा

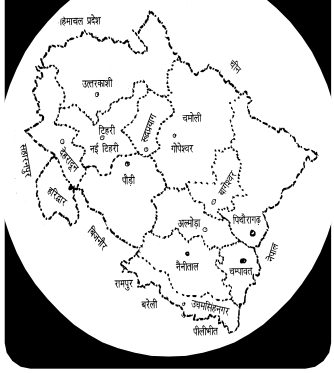

छतोली में भू-वैज्ञानिकों ने किया सर्वे

लोहाघाट। भू-वैज्ञानिकों और राजस्व विभाग की टीम ने आपदाग्रस्त ग्राम छतोली का सर्वे किया। इस दौरान टीम ने भूस्खलन वाली जगहों और खतरे की जद में आए भवनों का गहनता से निरीक्षण किया। भू वैज्ञानिकों की टीम सर्वे के लिए आपदाग्रस्त छतोली गाँव पहुँची। विधायक खुशहाल सिंह अधिकारी के प्रतिनिधि के तौर पर यहाँ कांग्रेस के नगर अध्यक्ष कोटियाल ने बताया कि चौमेल क्षेत्र के छतोली गाँव में टीम ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र और खतरे की जद में आए मकानों का जायता लिया। नगर अध्यक्ष ने आपदाग्रस्त लोगों के विस्थापन की मांग उठाई। आपदा पीड़ित भूपेन्द्र सिंह, शेखर सिंह ने हुए नुकसान की जानकारी टीम को दी। सर्वे टीम में शामिल राजस्व उप निरीक्षक सलमान खान ने बताया कि टीम में शिवराज सिंह, अनिल सिंह, भूपेन्द्र सिंह, शेखर आदि थे।

समुदायों के झगड़े की आग मत फैलाओ

हल्द्वानी में घपलत करने वालों को रोकना होगा, जड़ में कौन हैं पकड़ो

हल्द्वानी। समुदायों की झगड़े से उत्तराखण्ड को जलाने की साजिश रोकनी चाहिये। महानगर हल्द्वानी सहित कई जगह इस प्रकार की घटनाएं शुरू हो चुकी हैं, जिन्हें समझबूझ से रोका गया। दरअसल इनकी जड़ में कौन हैं उन्हें दबोचना जरूरी है। समुदायों की आग फैलाकर इसके पीछे राजनीतिक चालबाजी या किसी दूसरे तरह की हरकत को अंजाम दिया जा सकता है इसलिये गड़बड़ करने वालों सबक सिखाया जाए।

हल्द्वानी की ताजा घटना मुखानी क्षेत्र के छड़ायल इलाके की है। मॉड्यूल किचन की दुकान चलाने वाले दूसरे समुदाय के व्यक्ति के साथ दुकान में काम करने वाली युवती को लोगों ने देख लिया। इससे भड़के हिन्दुवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने दुकानदार पर कार्रवाई की मांग करते हुए उसकी दुकान पर तोड़फोड़ की और बाइक को आग लगा दी। गैस गोदाम रोड में समुदाय विशेष के व्यक्ति का घर है उसमें उसने अपनी मॉड्यूल किचन के नाम से दुकान बनाई है, इसमें दो युवतियां काम करती हैं। दुकान स्वामी काम करने वाली एक युवती के दमुवाढूंगा स्थित घर पर पहुँचा था। जहाँ लोगों ने उसे देखकर हंगामा कर दिया। इस मामले में उसकी दुकान पहुँचकर तोड़फोड़ की। तीन मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया। इस बीच प्राधिकरण की टीम ने मकान-दुकान का निरीक्षण किया तो मकान में दुकानें, बेसमेंट और मार्गाधि कार का उल्लंघन जैसी कमियां मिली। साथ ही मकान का नक्शा भी नहीं मिला। खामियों के चलते मकान को सीज कर दिया गया। इस प्रकार के प्रकरण से यह तो साफ दिखाई दे रहा है कि बिना नक्शे के मकान-दुकान बड़ी संख्या में बन चुके हैं जिनकी जाँच हो। अपनी भूमि, भवन किसको बेची है या किराये पर दी है यह भी सबके लिये विचार करने वाली बात है। ताकि ऐसे घपले न उपजें।

देवलडांडा के अशूज थौलू में सैलाब

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ के दशगी-भंडारस्यूं क्षेत्र के मध्य स्थित देवलडांड में आयोजित अशूज थौलू मेले में ग्रामीणों का सैलब उमड़ा। मेले में क्षेत्र के ईष्ट देवता नागराज का नवनिर्मित मन्दिर आकर्षण का केन्द्र रहा। ध्यानियों ने देवता को हरियाली, श्रीफल, अक्षत पुष्प के साथ दुग्धाभिषक कर खुशहाली की कामना की।

माँ नानतोली में दो देवियों का मिलन

फाटा। तुलंगा क्षेत्र के ग्यारह गाँव की अधिष्ठात्री माँ राज राजेश्वरी तालतोली देवी अपनी 40 दिनों की देवर यात्रा निकली हुई है। माँ तालतोली केदारघाटी के विभिन्न गाँवों का भ्रमण कर भक्तें को आशीर्वाद देते हुए माँ महिषा मर्दिनी मैखण्ड पहुँची। खड़िया गाँव में रात्रि विश्राम कर धानी ग्राम का भ्रमण कर ग्राम खाट पहुँची। भैरवनाथ मन्दिर में नौज्युला की देवी नानतोली मन्दिर में आई जहाँ दो देवियों का मिलन हुआ।

एसएसबी ग्वालदम का सफाई अभियान

थराली। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत प्रतिविद्रोहिता एवं जंगल युद्ध कला पद्धति स्कूल (एसएसबी ग्वालदम) द्वारा व्यापक रूप से सफाई अभियान चलाया। उपमहानिदेशक अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय लोगों, केन्द्रीय विद्यालय ग्वालदम के छात्र-छात्राओं, बल के जवानों ने भागीदारी की।

धौंतरी में समलौण वाटिका स्थापित

उत्तरकाशी। पर्यावरण संरक्षण संवर्धन के लिये समलौण अभियान के तहत पीएम श्री कमलराम नौटियाल राजकीय इण्टर कालेज धौंतरी में समलौण वाटिका की स्थापना की गई। यहाँ पौध रोपते हुए इनके संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने कहा कि समलौण अभियान के तहत पेड़ पौधों के संरक्षण के लिए भावनात्मक सम्बन्ध पैदा करना सराहनीय प्रयास है। इसमें कभी भी शुभ अवसर पर पौध रोपे जा सकते हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

यूकेडी पूर्व अध्यक्ष रतूड़ी को श्रद्धांजलि

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल के पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक बी.डी.रतूड़ी का लम्बी बीमारी के बाद विगत दिवस देहरादून में निधन हो गया। उनका जॉलीग्रांट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। 2007 से 2012 तक राज्य मंत्री के रूप में वे भागीरथ्थी घाटी नदी प्राधिकरण के उपाध्यक्ष भी रहे। अपनी सरकारी सेवा पूरी करने के बाद वह सीधे यूकेडी से जुड़े। स्व.रतूड़ी के निधन पर दल के नेताओं सहित सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सर्वे के बाद टनकपुर में हटेगा अतिक्रमण

टनकपुर। रेलवे भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई पर बताया गया है कि सर्वे के बाद अतिक्रमण हटेगा। असल में अमृत भारत विकास योजना के तहत रेलवे स्टेशन का सौन्दर्यीकरण होना है तो कब्जे भी हटने हैं। कार्रवाई को उतरी टीम के विरोध में नेता और प्रभावित होने वाले सामने आ गये। ऐसे में अब नगर पालिका, राजस्व, रेलवे की टीम का संयुक्त सर्वे होना है। उसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी।

माहौल बिगाड़ने वाले बर्दाश्त नहीं

देहरादून। विपक्षी दलों और जन संगठनों के प्रतिनिधियों ने एसएसपी देहरादून अजय सिंह भेंट कर कहा कि कुछ व्यक्ति और संगठन हिंसा करवाने का प्रयास कर रहे हैं। उन सभी के खिलाफ सख्त कर्रवाई होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि शहर का माहौल बिगाड़ने वाले बर्दाश्त नहीं किये जाएंगे। इस दौरान उत्तराखण्ड महिला मंच की कमला पन्त, सीपीआई माले के इन्द्रेश मैखुरी, आप की उमा सिसोदिया, शंकर गोपाल, रजिया बोरा आदि थे।

विपिन पाण्डे समेत दो सौ पर मुकदमा

हल्द्वानी। माड्यूल किचन कारोबारी नूर मोहम्मद के घर व दुकान में तोड़फोड़ व वाहन फूंकने के मामले में पुलिस ने भाजयुमो के प्रदेश मंत्री विपिन पाण्डे समेत 200 पर मुकदमा दर्ज किया है। कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में इस प्रकार की दूसरी घटनाओं में भी विपिन पाण्डे का नाम पहले आ चुका है। साम्प्रादायिक झगड़ों के इस मामले में समझदारी से रहने की अपील की जाती है।

सीमान्त क्षेत्र में नियम विरुद्ध भूमि खरीद

पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड बचाओ संघर्ष समिति ने सीमान्त में चीन व नेपाल सीमा पर बाहरी लोगों द्वारा नियम विरुद्ध भूमि खरीद का आरोप लगाया है। समिति ने सीएम को ईमेल भेजकर इस प्रकार की भूमि रजिस्ट्री रद्द करने की मांग की है। समिति के संयोजक व जिपं सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा है जरूरत होने पर प्रदर्शन किया जायेगा।

स्वाभिमान महारैली से समझो पहाड़ की तड़फ

उत्तराखण्ड का मूल निवास व सख्त भू कानून की मांग को लेकर उबाल बढ़ता जा रहा है। ऋषिकेश में हुए विशाल प्रदर्शन से पहाड़ की तड़फ को समझना होगा। पृथक पर्वतीय राज्य बनने के बाद जिस प्रकार से पहाड़ में जमीनों की लूट मची है और बाहर से आकर यहाँ के हक हकूक में धावा बोला जा रहा है, उसे पहाड़वासी समझ चुके हैं।

ऋषिकेष में हुए जबर्दस्त प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा व महिलाओं ने भागीदारी की। स्वयंस्फूर्त जुटी भीड़ से उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन की याद ताजा हो गई। जनता की आवाज देख विभिन्न राजनीतिक दल, सामाजिक और सांस्कृतिक दल, पूर्व सैनिक, पूर्व कर्मचारियों के संगठन भी इसमें जुटे। मूल निवासी, भू कानून समन्वय संघर्ष समिति की महारैली का शुभारम्भ उत्तराखण्डी नेता स्व. इन्द्रमणि बडोनी की प्रतिमा में मार्ल्यापण के साथ हुआ। त्रिवेणी घाट पर हुई सभा में समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि प्रदेश में हालात इतने खतरनाक हो चुके हैं कि मूल निवासी ही दोयम दर्जे के नागरिक बनते जा रहे हैं। युवाओं से नौकरियां छीनी जा रही हैं। जमीन हड़पने का खेल चल रहा है। सरकार के भू कानून सम्बन्धी बयान से हम सन्तुष्ट नहीं हैं। समिति के सह संयोजक लुसुन टोडरिया ने कहा कि उत्तराखण्ड के मूल निवासियों के अधिकार सुरक्षित रहें, इसके लिए मूल निवासी 1950 और मजबूत भू कानून लाना जरूरी है।

अपनी पैतृक भूमि को न बेचें

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने सीमान्त वासियों से अपील की है कि अपनी पैतृक भूमि जो बुजुर्गों के द्वारा कड़ी मेहनत के बाद सुरक्षित रखा गया है उसे किसी भी कीमत पर बाहरी व्यक्ति को न बेचें और ना ही उनको अपने मकान में किराया दें। यदि कोई लालच में आकर ऐसा करता है तो उसके दुष्परिणाम मिल सकते हैं। अपनी सुरक्षा और भावी पीढ़ी के के लिये इस प्रकार की भूल नहीं करनी है। श्री धर्मशक्तू ने नगर पंचायत के लिये मुनस्यारी वासियों से विचार करने को कहा है। कहा इससे कोई भला होने वाला नहीं लग रहा है। उल्टा टैक्स का बोझ पडेगा। उन्होंने कहा कि कूड़ा निस्तारण के लिये डम्पिंग जोन बनाने में ही दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत के लिये आठ वार्डों की बात कही जा रही है, इनकी जनगणना होनी चाहिये ताकि पता चले कि बाहर से आए हुए लोग कितने हैं।

श्रद्धांजलि

संस्कृत और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिये लिये अडिग थे पं. तारादत्त काण्डपाल

हल्द्वानी। संस्कृत और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिये अडिग पं. तारादत्त काण्डपाल का 30 सितम्बर 24 को दिन में निधन हो गया। व्याकरणाचार्य स्व. जय दत्त काण्डपाल के ज्येष्ठ पुत्र 76 वर्षीय पं. तारादत्त जी अपनी परिवार परम्परा के अनुसार सामाजिक कार्यों में अग्रणीय थे। नैनीताल में श्रीराम संस्कृत पाठशाला को स्थापित करने में उनका प्रयास याद किया जायेगा। प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त होकर वह अपने परिवार के साथ हल्द्वानी के गैस गोदाम रोड कुसुमखेड़ा स्थित अपने आवास में थे। पिछले कुछ समय से वह अस्वस्थ्य चल रहे थे लेकिन उनकी स्मृतियों में हल्द्वानी और भाबर के पुराने दिन हमेशा रहते थे जिसे वह अपने साथियों के साथ साझा करते थे। पिघलता हिमालय परिवार के साथ इनके परिवार की घनिष्ठता रही है और 'शक्ति प्रेस' इनके लिये खास अड्डा हुआ करता था। कला, संस्कृति के संरक्षण में अपने पिता आचार्य जयदत्त जी तरह यह हमेशा समर्पित रहे।

अपनी सरलता और सहजता के आगे उन्होंने कभी भी अपनी परेशानियों को उजागर नहीं किया और सनातन परम्पराओं को निभाते रहे। इनके द्वारा प्रेषित हर पत्र व निमंत्रण संस्कृत भाषा में होते थे और इनकी बैठक सदा विद्वत मण्डली के बीच रही। वह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। माता, पत्नी सहित इनके अनुज पं. गिरीश चन्द्र काण्डपाल, भुवन चन्द्र काण्डपाल, सुपुत्र चेतन (ध्रुव), अभिलाष सभी हैं। पिघलता हिमालय अपने साथी व वरिष्ठ सदस्य के स्व.तारादत्त जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

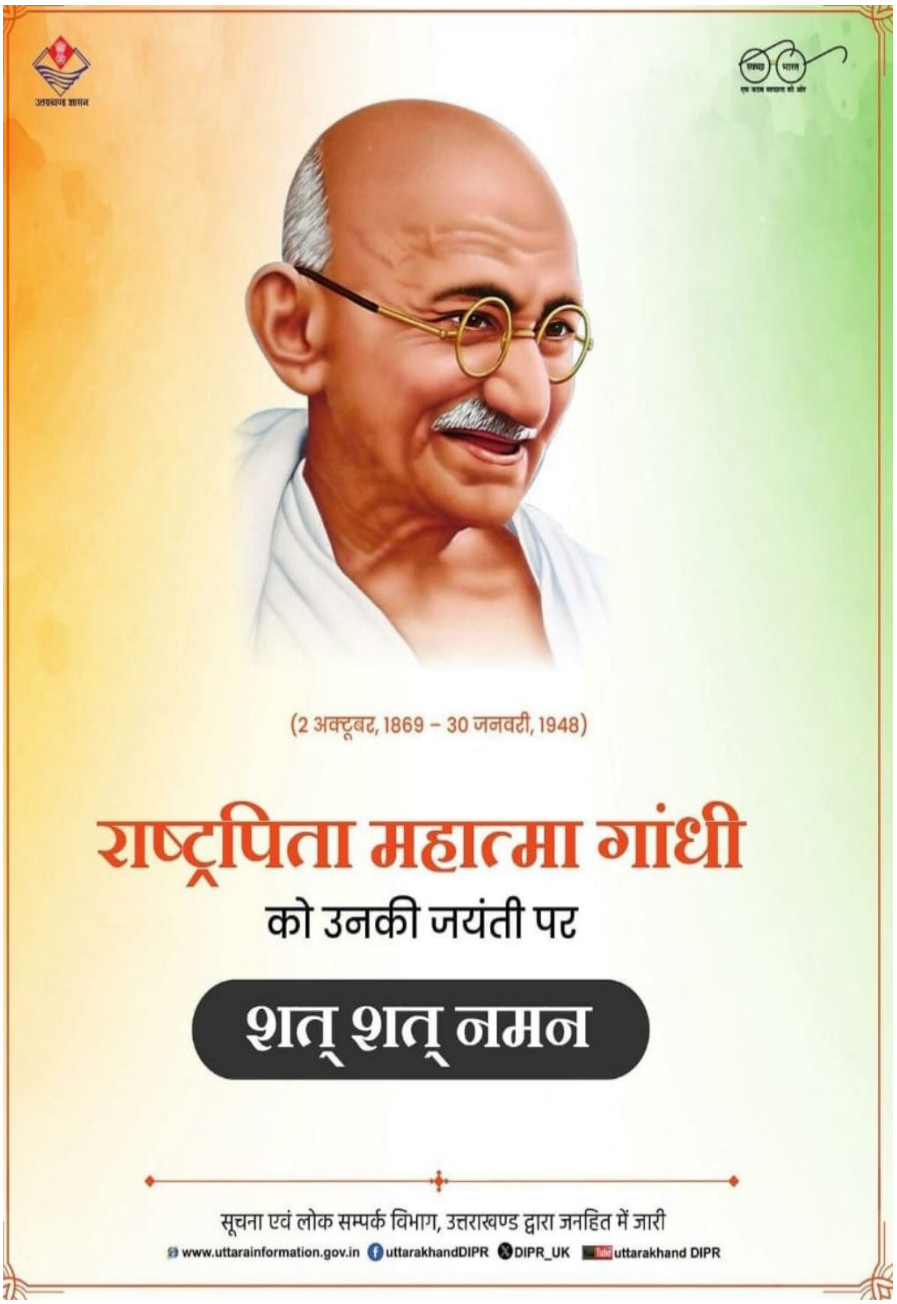

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

शक्ति प्रेस
जे.के. पुरम्
सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी

शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

हिमालय संगीत शोध समिति

(पूर्णकालीक संगीत प्रशिक्षण केन्द्र)
जे.के. पुरम्
सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

धमोत होम स्टे

मो. 9760007148
www.mountainheights.in
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise

Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)